।। ॐ श्री गुरु जम्भेश्वराय नमः ।।

बिश्नोई सन्देश

धार्मिक,सामाजिक एवं राजनैतिक प्रगति की सन्देशवाहक मासिक पत्रिका

सम्पादक रामरतन बिश्नोई (एम.कॉम.साहित्यकार) मो. 9214118849

प्रधान संपादक

रामरतन बिश्नोई

Mob.:: 09214118849

प्रबन्ध संपादक

आर.पी. बिश्नोई

Mob.:: 09252163775

पत्रिका कार्यालय दूरभाष

Tel.: 01582-241136

E-mail:rpbishnoi@bishnoimail.com

bishnoisandesh@gmail.com

कार्यालय पताः

'बिश्नोई सन्देश'

जम्भेश्वर आदर्श साहित्य प्रकाशन

एच-2/29, न्यू रीको औद्योगिक क्षेत्र

बीकानेर रोड़,नागौर (राजस्थान)

इस पत्रिका में सभी पद अवैतनिक एवं निष्काम सेवार्थ है

वार्षिक शुल्क **100/-**

आजीवन शुल्क **1000/-**

''पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचार लेखकों के वैयक्तिक हैं। सम्पादक का इनसे सहमत या असहमत होना आवश्यक नहीं है। लेख सम्बन्धी आपत्तियों हेतु सीधे लेखक से सम्पर्क करें''

बिश्नोई धर्म का पवित्र सन्देश दूर-दूर तक फैलायें

वर्ष-22 अंकः 1-2 जनवरी-फरवरी 2013

क्र.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	इलाज के अभाव में हिरण के बच्चे ने दम तोड़ा	3
2.	आदमपुर में तीन दिन में तीसरे हिरण की मौत	3
3.	हिरणों के अस्तित्व पर मण्डराया खतरा	4
4.	जुनून से पाया पर्यावरण संरक्षण का जज्बा	5
5.	काले हिरण के दो शिकारी दबोचे	6
6.	खींवसर तहसील में थाम नहीं हिरणों के शिकार	6
7.	बिश्नोई समाज सूरत का प्रोग्राम सम्पन्न	7
8.	पर्यावरण एवं जीवरक्षा सम्मेलन आयोजित	8
9.	साहित्य में रूचि बढ़ाने से बौद्धिक क्षमता का विकास	9
10.	समाज ने खोया जाम्भाणी संगीत रत्न	10
11.	जरूरत है अमृता को हर दिल में बसने की	11
12.	गरीबी का कारण	12
13.	शराबी की हालत	12
14.	माँ	12
15.	बिश्नोई प्रीमियर लीग-3 आयोजित	13
16.	डीएफओ ने की बिश्नोई समाज से कंटीली तारें हटाने की आखिरी अपील	14
17.	हरि कथा के समापन पर हवन किया	14
18.	युवाओं के नाम एक आह्वान	15

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र नागौर राजस्थान होगा।

सम्पादकीय...

नशा छोड़ो

आधुनिक साधनों के सहारे नशीली वस्तुओं के अनेक रूप मानव समाज में पैर पसार रहे हैं। अज्ञानतावश अनेक लोग नशों के जाल में फंसकर जीवन को तबाह कर रहे हैं। ऐसी स्थिति को देखकर संत समाज की आत्मा सिहर उठती है। समाज का दायित्व युवा वर्ग पर निर्भर होता है। युवा वर्ग को नशों के चंगुल से बचाना प्रत्येक इंसान का परम कर्त्तव्य है। ऐसी भावना को महत्व देते हुए मेरा नीजि भाव है कि समाज को नशों से उबारने के लिए कुछ प्रयत्न निरंतर होते रहें। समाज को नशों से बचाने के लिए महत्वपूर्ण बिन्दु समाज का युवा वर्ग है। युवक शक्ति का पुंज होता है। युवाओं की शक्ति का सही दिशा में उपयोग होना अत्यंत आवश्यक है। जिस प्रकार बिजली के सम्पर्क को पंखे से जोड़ते है तो पंखा चलता है। मोटर या बहुत बड़े इंजन से जोड़ते हैं तो इंजन चलने लगता है। इसी प्रकार बल्ब, ट्यूबलाईट या अन्य यंत्र में जोड़ने पर बिजली का कार्य इस यंत्र के अनुकूल होने लगता है उसी प्रकार युवक की शक्ति को रचनात्मक कार्यों में लगाया जाय तो अनेक कार्य कर सकता है और विध्वंसात्मक कार्यों में लगा दिया जाय तो वह अत्यंत विनाशकारी सिद्ध होता है। आवश्यकता है कि युवक अपनी शक्ति को समझें और उसका सही दिशा में उपयोग करें। समाज में बुराई का विरोध करना है तो युवा शक्ति ही उसका मुख्य आधार है। युवक को सही दिशा का बोध कराने का कर्त्तव्य प्रबुद्धवर्ग का होता है। विद्वान, संत, शिक्षित वर्ग एवं प्रबुद्ध वर्ग द्वारा दिशा निर्देशन मिलता रहे इसके लिए युवक स्वयं जागरूक हो, लगनशील हो तथा संगठित हो तभी सही दिशा में प्रयाण कर सकेगें। कलम द्वारा युवकों को आह्वान करना चाहता हूं कि वे समाज की प्रगति , आर्थिक विकास, शिक्षां एवं समन्वय के क्षेत्र में आगे बढ़ें तथा अपनी अमूल्य शक्ति का उपयोग सही दिशा में करे। रास्ता न भटके, चेतन्य और जागृतावस्था में रहें। होश व जोश बनाए बनाए रखें। जो युवक नहीं जागे हैं, वे जागे। जो जागे हुए हैं, वे पुनः सोने का अभिनय न करें। उनके सामने युग की बड़ी बड़ी चुनौतियां है उनका मुकाबला करें और अपनी क्षमताओं को विकसित करें।

जागना व उठना कठिन है।

जागकर पुनः सो जाना यह युवकोचित काम नहीं है।

–प्रधान सम्पादक

इलाज के अभाव में हिरण के बच्चे ने दम तोड़ा

मोकलसर। निकटवर्ती धीरा गांव में शुक्रवार को अचेतावस्था में मिले हिरण के बच्चे ने रविवार को अस्पताल में इलाज के अभाव में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व धीरा गांव के रेतीले इलाकों में घायल अवस्था में एक हिरण का बच्चा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर बिश्नोई टाइगर फोर्स सिवाना के ब्लॉक अध्यक्ष भीखाराम कांवा तथा उपाध्यक्ष श्रवण बेनीवाल ने घरेलू उपचार किया। लेकिन उसकी बिगड़ती स्थिति को देखते उन्होंने हिरण के बच्चे को अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पशु चिकित्सक नहीं होने से हिरण के बच्चे ने दम तोड़ दिया।

फोर्थ क्लास के भरोसे चिकित्सालय :

उपखंड स्तर के सबसे बड़े अस्पताल में एक भी पशु चिकित्सक नहीं है। कई बार जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया, मगर नियुक्ति नहीं हुई। अस्पताल चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे चल रहा है।

-श्रवण बेनीवाल, ब्लॉक उपाध्यक्ष, बिश्नोई टाइगर फोर्स

कोई सुनवाई नहीं होती :

ग्राम पंचायत की बैठकों तथा समिति की बैठकों में कई बार पशु चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग रखी, परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई।

-सिणगारीदेवी विश्नोई, सरपंच, सांवरड़ा

साभार: दैनिक भास्कर

आदमपुर में तीन दिन में तीसरे हिरण की मौत

गांव आदमपुर में मृत हिरण के साथ चिकित्सक सतबीर बेनीवाल, जीव रक्षक दिनेश जांगड़ा व समिति प्रधान कृष्ण राहड़।

मंडी आदमपुर। आदमपुर में हिरणों की मौत का सिलसिला एक बार फिर से शुरू हो गया है। तीन दिनों में तीन हिरण मौत का ग्रास बन गए हैं। जीवरक्षा समिति के प्रधान कृष्ण राहड़ ने बताया कि शुक्रवार को गांव आदमपुर में भजनलाल थालोड़ के खेत में शिकारी कुतों ने काले हिरण के बच्चे को बुरी तरह नोंचकर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने उपचार के लिए चिकित्सक को बुलाया लेकिन घाव ज्यादा होने के कारण तब तक हिरण की मौत हो गई। राहड़ ने बताया कि इससे पहले 12 फरवरी को गांव चूली में महेन्द्र बेनिवाल के खेत में तथा 13 फरवरी को ग्राम आमदुपर में जगदीश थालोड़ के खेत में मादा हिण के बच्चे को कुतों ने अपना शिकार बनाया था।

साभार: दैनिक भास्कर

फाल्गुन मेले के अवसर पर बिश्नोई सन्देश का विशेषांक प्रकाशित हो रहा है। जिसमें विज्ञापन देकर अपने प्रतिष्ठान की कीर्ति फैलायें

हिरणों के अस्तित्व पर मंडराया खतरा

फतेहाबाद। गोरखपुर परमाणु संयंत्र के लिए गांव बड़ोपल की 185 एकड़ भूमि पर आवासीय कालोनी के लिए अब प्रशासन ने जमीन का अधिग्रहण कर तारबंदी शुरू कर दी है। निर्माण कार्य शुरू होने के कारण वहां हजारों की संख्या में विचरण करने वाले हिरणों का अस्तित्व समाप्त होने के कगार पर है। सरकार द्वारा परमाणु संयंत्र की आवासीय कालोनी ऐसे स्थान पर बनाई जा रही है, जहां पर सैंकड़ों की संख्या में हिरण विचरण करते हैं परंतु आवासीय कालोनी वाली भूमि पर निर्माण कार्य शुरू करने के कारण अब विलुप्त होने की कगार पर खड़े हिरणों के लिए मुश्किल और बढ़ गई है। बड़ोपल गांव एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर इतनी बड़ी संख्या में हिरण विचरण करते हैं लेकिन समस्या तो हिरणों के लिए सरकार ने खड़ी कर दी है। जिस स्थान पर हिरणों के लिए हिरण विहार बनना था, वहां पर सरकार ने नया शहर बसाने की तैयारी कर ली है जिससे हजारों की संख्या में विचरण करने वाले हिरण व अन्य जंगली जीवों का अंत शुरू हो गया है।

अखिल भारतीय बिश्रोई जीव रक्षा संगठन व लाइफ फार एनीमल संगठन द्वारा अनेक बार हिरणों के बचाव के लिए रैली व प्रदर्शन किए गए लेकिन अभी तक इस बारे में प्रशासन ने किसी प्रकार का कोई कदम नहीं उठाया, जिससे वन्य जीवों की जान बचाई जा सके। एक ओर तो वीरान भूमि जहां पर वन्य जीव विचरण करते हैं, वहां पर आवासीय कालोनी बनाने की तैयारी की जा रही है, दूसरी ओर अनेक किसानों ने फसलों के बचाव हेतु खेत की तारबंदी कर रखी है और फसल की रखवाली के लिए शिकारी रखवाले भी रखे हुए हैं। ऐसे माहौल में विचरण करने वाले हिरण व अन्य वन्य जीव आखिर कहां जाएं?

किसान वन्य जीवों के लिए भूमि देने का तैयार

बड़ोपल गांव के हीरालाल जांगू, सतबीर कड़वासरा, रोहताश व रामकुमार आदि किसानों का कहना है कि वे अपनी उपजाऊ जमीन वन्य जीवों को बचाने के लिए सरकार को उचित रेट पर देने को तैयार हैं जिससे वन्य जीवों की जान बचाई जा सके।

सरकार ने नहीं बनाई सैंचुरिन तो नहीं बचेंगे हिरण

वन्य जीव प्रेमी विनोद कड़वासरा व राधेश्याम धारणियां ने बताया कि यदि सरकार ने हजारों वन्य जीवों को बचाने के लिए सैंचुरिन नहीं बनाया तो दुर्लभ प्रजाति के हिरण नहीं बचेंगे। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में इतनी बड़ी संख्या में हिरणों का होना मुख्य कारण वैष्णव समाज के लोगों का होना है। उन्होंने बताया कि बिश्रोई समाज के लोगों ने कई बार वन्य जीवों का बचाने के लिए अनेक बार रैली निकाली व उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा लेकिन इन्हें बचाने के लिए कोई विशेष कार्रवाई नहीं की गई।

साभार: पंजाब केसरी दिनांक 10 फरवरी 2013

जुनून से पाया पर्यावरण संरक्षण का जज्बा

जोधपुर । किसी काम के प्रति अगर जुनून न हो तो वह काम कभी भी मन से नहीं हो सकता । यह कहना है जोधपुर के खमुराम बिश्नोई का जो पर्यावरण को संरक्षित रखने का काम पूरे दिल से करते हैं। हालांकि शुरू में यह काम इतना आसन नहीं था। इस दौरान लोगों ने उन्हें पागल तक करार दे दिया था।

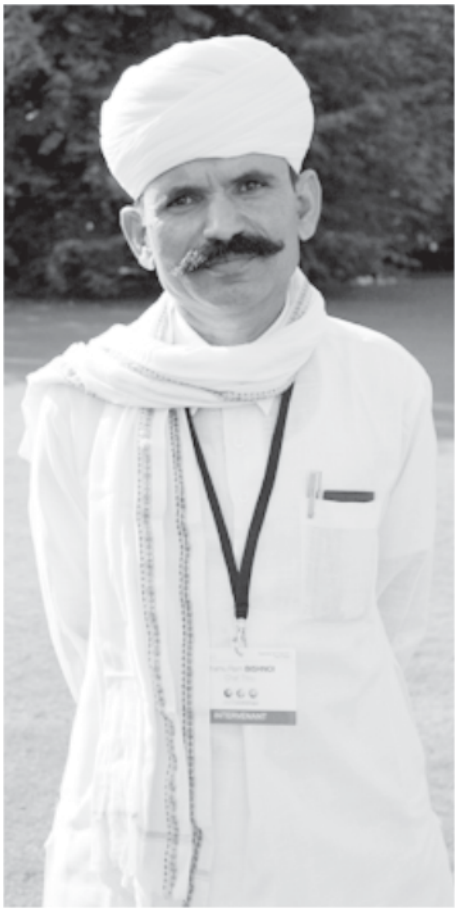

खमुराम ने 2007 में ही यह दृढ़ निश्चय कर लिया था कि उन्हें पर्यावरण को संरक्षित रखना है। इसके साथ ही उनके मन में यह सवाल भी कौंधता था कि यह महत्वपूर्ण काम कैसे मुमकिन हो सकेगा। बहरहाल, जैसा कि कहते हैं ''मैं तो अकेला ही चला था जानिबे मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।'' खमुराम के साथ ही कुछ ऐसा ही हुआ। प्लास्टिक से उत्पन्न होने वाले कचरे पर हम सबकी नजर कई बार गई होगी और हमने इसे नजरअंदाज भी किया होगा पर खमुराम ने रास्ते पर पड़े ऐसे कचरे को हटाने में कभी भी संकोच नहीं किया। वे जयपुर से लेकर पंजाब के मेलों तक में जाते हैं। वहां जाकर वे प्लास्टिक के कचरे को उठाते हैं। इतना ही नहीं, वे धार्मिक स्थानों, पर्यटन व तीर्थ स्थलों के साथ ही जल संग्रहण वाले स्थानों पर जाकर वहां से भी प्लास्टिक का कूड़ा उठाते हैं।

पेशे से क्लर्क खमुराम को जब भी छुट्टियां मिलती हैं, वे समाजसेवा में जुट जाते हैं। उनका कहना है कि कोई भी काम कभी छोटा नहीं होता, बस नीयत साफ होनी चाहिए। खमुराम ने अब तक कुल 20 अवार्ड जीते हैं। वे बताते हैं कि 2008 में उन्हें फ्रांस में पर्यावरण पर आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में हाई लेवल स्पीकर के रूप में बुलाया गया था। वहां उन्होंने Are humans being ready to play for the services nature provides पर अपने विचार व्यक्त किए। यह उनके जीवन का सबसे यादगार लम्हा था। इतना ही नहीं फोटो जर्नलिस्ट फ्रैंक वोगेले ने खमुराम व बिश्नोई समाज द्वारा किए जा रहे पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्य पर वर्ष 2010 में एक डाक्यूमेंट्री फि ल्म बनाई थी जिसका प्रसारण फ्रेंच चौनल 5 पर 11 जून 2011 को पेरिस में हुआ था। इससे पूर्व जिओ मैगजीन ने अपने विशेष अंक में खमुराम बिश्नोई पर लेख छापा है। इस लेख में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित उनके कार्यों का वर्णन है। इस कार्य के प्रति उनके समर्पण का ही परिणाम है कि अब लोग प्लास्टिक कचरे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक हुए हैं और इसे बीनने से भी कतराते नहीं हैं। यह देख कर उन्हें खुशी होती है कि इस सफर में लोगों का कारवां बढ़ता जा रहा है। बिश्नोई कहते हैं कि अगर जीवन में कठिनाइयां नहीं होती तो उन्हें इस काम के लिए कभी भी प्रेरणा नहीं मिलती और इसके लिए वे इतनी शिद्दत से कभी भी प्रयास नहीं कर पाते।

काले हिरण के दो शिकारी दबोचे

हिसार। लांधड़ी गांव में गुरुवार 21 दिसम्बर 2012 की रात दो लोगों ने एक काले हिरण की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्यारों ने हिरण के सींग, खोपड़ी और टांगे काट कर खेत में फेंक दी। घटना की सूचना वन्य प्राणी विभाग को दी गई जिसके बाद विभाग के अधिकारियों ने हिरण के हत्यारों को उनके घर से हिरण का कच्चा मांस, उसकी खाल सहित दबोच लिया है। आरोपियों के खिलाफ वन्य प्राणी अधिनियम 1972 की धारा दो के तहत केस दर्ज कर लिया है। शनिवार को इन्हें पर्यावरण कोर्ट कुरुक्षेत्र में पेश किया जाएगा।

गांव में काले हिरण के मारे जाने की जानकारी शुक्रवार को किसी ने अखिल भारतीय जीव रक्षा हिसार शाखा अध्यक्ष बनवारी लाल बिश्नोई को दी थी। इसके बाद वन्य प्राणी विभाग को भी सूचना दी गई। इंस्पेक्टर ेंष्ण लाल सैनी और एसआई रामेश्वर दास के साथ जीव रक्षा के सदस्य गांव लांधड़ी निवासी सत्यवान के घर पहुंचे। जहां से टीम ने करीब 35 किलोग्राम हिरण का मांस, उसकी खाल बरामद की। यहां मौजूद सत्यवान और रामचंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने हिरण मारने की बात स्वीकार की है। इसके अलावा वन्य प्राणी विभाग ने गांव के ही एक खेत से हिरण के सींग, टांगें व खोपड़ी बरामद की है। वन्य प्राणी विभाग के सबइंस्पेक्टर रामेश्वरदास ने बताया कि गांव लांधड़ी के रामचंद्र और सत्यवान ने गुरुवार रात काले हिरण की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सत्यवान के घर से मिली हिरण की खाल में छर्रे लगे होने की पुष्टि हुई है। करीब 35 किलोग्राम मीट, हिरण की खाल, सींग व अन्य सामान बरामद किया है। गांव लांधड़ी, चिकनवास और अग्रोहा के तीन पशु चिकित्सकों ने हिरण का पोस्टमार्टम किया। हिरण को जिस बंदूक से गोली मारी गई, वह लाइसेंसी है। दोनों आरोपी खेतों की सुरक्षा का काम करते हैं।

खींवसर तहसील में थम नहीं रहे हिरणों के शिकार

दो माह में चौथी घटना, शिकारी गिरफ्तार, बन्दूक एवं मृत हिरण बरामद

नागौर 4 जनवरी 2013। जिले की खींवसर तहसील में हिरणों के शिकार थमते नजर नहीं आ रहे हैं। दो माह में चौथी शिकार की घटना है। श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था राजस्थान के मीडिया मंत्री आर.पी. बिश्नोई ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि

तहसील के ग्राम कुड़छी की सीमा में आज शाम को बनबागरियों ने एक चिकांरा हिरण का शिकार कर लिया।शिकार की सूचना किशनाराम खिलेरी ने श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष श्री रामरतन बिश्नोई को दी। प्रदेशाध्यक्ष श्री बिश्नोई की सूचना पर खींवसर थानाधिकारी रूपाराम चौधरी मय जाप्ते एवं नागौर के क्षेत्रीय वन अधिकारी अजीतसिंह शेखावत अपनी टीम सहित मौके पर पंहुचे। बन्दूक की गोली से मरे हुए एक हिरण को बरामद किया। शिकारी शोभाराम पुत्र अमराराम बनबागरिया को गिरफ्तार किया। प्रदेशाध्यक्ष रामरतन बिश्नोई, खींवसर तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश लेगा एवं अन्य कार्यकर्ता तथा ग्राम कुड़छी के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर मौजूद थे। पुलिस तथा कार्यकर्ताओं ने शिकारी का पीछा कर अभी सायं 7:30 बजे पकड़ा। रूपाराम बिश्नोई, हीराराम बिश्नोई, यशपाल सारस्वत तीनों ने शिकारी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करवाया। वनविभाग ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

ओमप्रकाश लेगा
खींवसर तहसील अध्यक्ष
श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश
संस्था (रजि.) राजस्थान मो. 9829494507

बिश्नोई समाज - सूरत का प्रोग्राम संपन...

नियोल गांव (सूरत) में बिश्नोई समाज कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में परम पूज्य स्वामी श्री भागीरथदासजी आचार्य, बलदेवानंद जी, गायक कलाकार राजूराम जी, स्वामी सदानंद जी आदि मोजूद थे। शनिवार रात्रि जागरण व रविवार को हवन ,पाहल और महापर्शाद का आयोजन किया गया.

सभा संबोधन – मुख्य अतिथि के तौर पर गुरूजी, मुंबई, अहमदाबाद, वड़ोदरा, नवसारी और वापी से आये हुए मेहमानों ने उद्घाटन समारोह के दौरान समाज को संबोधित करते हुए युवाओं की सराहना की और कहा कि समाज की जिम्मेदारी युवाओं पर है और आज का युवा इतना सक्षम है कि समाज को नई दिशा देने के लिए युवाओं को आगे आना ही होगा और युवा संगठन को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग किया जायेगा । उन्होंने कहा कि संगठन को खेलकूद या समय समय पर ज्ञान वर्धक प्रतियोगता का आयोजन करना चाहिए। किशन बिश्नोई (खिलेरी) पीकेएमजी ने कहा की हम समाज के उन सभी लोगों को सूचित करे जो सूरत, मुंबई , देश ओर विदेश मैं रहते हैं, किसी से सीधे जाके मिले, किसी से फोन के द्वारा और किसी से इन्टरनेट के जरिए विचार जाने और एक आतम मंथन किया तो आज इस सोच का जनम हुआ.

कुरीतियाँ : हम लोग हमारा समाज प्रगटी कर रहे हैं ठीक उसी तरह से आज समाज में बहुत कुरीतियाँ पैर पसार रही हैं. जैसे – बाल विवाह,दहेज प्रथा, नशावृति, मृत्युभोज इन सब को रोकने के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। कोई भी देश कोई भी समाज तभी प्रगति कर सकता हैं जब उसका युवा वर्ग एक चेतना लाने की सोच मन में ठान ले कि हाँ हम मिलकर कार्य करेंगे ,कोई भी पावन कार्य शुरु करने के लिए उसके पीछे एक सच्ची नीयत, एक बड़ी सोच और उस कार्य को करने की इच्छाशक्ति,दृढ संकल्प बहुत महत्वपूर्ण है।

सत्संग जागरण – बिश्नोई धर्मशाला नियोल गाँव, सूरत, (गुजरात) दिनांक 29 दिसम्बर 2012 शनिवार रात्रि को भजन संध्या हुई जिसमे संत बलदेवानन्दजी जूनागढ़, आकाशवाणी कलाकार राजू महाराज आदि कलाकारों ने भजन संध्या को रंगारंग रूप दिया , 30 दिसम्बर 21012 को प्रातः सदगुरुदेव स्वामी भागीरथदास आचार्य के द्वारा हवन, पाहल और महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

समाज सर्वोतम : समाज सर्वोत्तम समाज सर्वोत्तम है ये कहते हुए सदगुरुदेव स्वामी भागीरथदास आचार्य कहा के जो लोग समाज के नियमो का उल्लंघन करते है समाज को उनकी कोई जरुरत नहीं है।

किशन खिलेरी
पीकेएमजी कम्पनी
रिंग रोड़,सूरत

पर्यावरण एवं जीवरक्षा सम्मेलन आयोजित

भादरा। तहसील के ग्राम मुन्सरी में स्थित श्री गुरु जम्भेश्वर पब्लिक स्कूल के प्रांगण में श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था राजस्थान एवं शाला समिति के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण एवं जीवरक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि साहित्यकार रामरतन बिश्नोई ने प्रकृति के साथ छेड़छाड़ नहीं करने, वन्यजीव एवं पेड़ पौधों की रक्षा करने का आह्वान किया। उन्होनें सुनी हुई प्रत्येक अच्छी बात को धारण करने की प्रेरणा दी। श्री बिश्नोई ने बताया कि गाय के घी का हवन करने से प्राणवायु सृजित होती है। पेड़ पौधे भी प्राणवायु देते हैं । घर की पर्यावरण शुद्धि के लिए प्रतिदिन हवन करने का विधान ऋग्वेद में लिखा है। उन्होनें बताया कि अग्नि किसी भी वस्तु को भस्म नहीं करती है बल्कि उसको सूक्ष्म रूप में परिवर्तित कर देती है। उन्होनें परोपकार करने के साथ ही नशामुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी। श्री बिश्नोई ने कहा कि मनुष्य अपने सद्कर्मों से देवता बन सकता है। बुरे कर्मों से राक्षस बन सकता है। भक्ति द्वारा स्वर्ग एवं मोक्ष की प्राप्ति भी कर सकता है। उन्होनें भावी पीढ़ी में धार्मिक संस्कार भरने की प्रेरणा उपस्थित जनसमूह को दी।

शाला प्रांगण में नीम का पौधा लगाते हुए श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष रामरतन बिश्नोई

समारोह के बाद प्रदेशाध्यक्ष ने नीम का पौधा लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विशिष्ट अतिथि श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था के प्रदेश महामंत्री भानूसिंह सियाग ने कहा कि आज का मानव मुख्य उद्देश्य से भटक चुका है। आधुनिकता का अंधा अनुकरण उसको भटकाने में सहयोग कर रहा है। जन जन का कर्तव्य है कि वे प्रकृति को पोषण करने वाले काम करें। विशिष्ट अतिथि श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था के प्रदेश महामंत्री एवं मानद् वन्यजीव प्रतिपालक हनुमानगढ़ अनिल धारणियां ने सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाना, पौधों की सुरक्षा करना और शिकार को रोकने में मदद करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था के प्रदेश संगठन मंत्री लक्ष्मीनारायण भादू ने पर्यावरण की परिभाषा में आकाश, वायु, तेज, जल और धरणी का महत्व उजागर किया। श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था भादरा के तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश ईशरवाल ने पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा, नशामुक्त जीवन और संस्कार निर्माण के कार्यक्रमों में जनसहयोग की अपील की। वयोवृद्ध नागरिक रामसिंह मेहला ने निःस्वार्थ भाव से पेड़ पौधों एवं वन्यजीवों की सेवा करते रहने की बात पर जोर दिया। जाति पांति के भेद को छोड़कर 'वासुधेव कुटुम्बकम' की भावना को अपनाने की बात कही। दयाराम मेहला, गंगाधर मुन्सरी, सुरेन्द्र मुन्सरी, रिछपाल कासणियां, घासीराम राजौरा ने भी अपने विचार रखे।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय करणपुरा के प्रधानाध्यापक हरीसिंह बिश्नोई ने मंच का संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया और पर्यावरण संरक्षण की बात पर जोर दिया।

श्री गुरु जम्भेश्वर पब्लिक स्कूल के निदेशक जगदीश बिश्नोई ने सभी आगन्तुकों का आभार ज्ञापित किया।

साहित्य में रुचि बढ़ाने से बौद्धिक क्षमता का विकास

धोरीमन्ना. जंभेश्वर गुरुद्वारा धोरीमन्ना में जांभाणी साहित्य अकादमी की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.सरस्वती विश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े।

उन्होंने बताया कि गुरु जांभोजी ने अपने 51 वर्ष के धर्म प्रचार प्रसार में 120 शब्द ही नहीं, लाखों शब्द कहे जो हमारे साहित्य में है। लेकिन किसान होने के नाते उन 450 से अधिक पांडुलिपियों की ओर ध्यान नहीं दिया गया।उन्होंने प्रतिभावान छात्रों से कहा कि उचित मार्गदर्शन में नियमित रूप से पढ़ाई करने पर सफलता के उच्च शिखर तक पहुंचना आसान है। विश्नोई ने कहा कि साहित्य में रुचि बढ़ाने से मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। समारोह में महंत शिवराम दास रुड़कली ने कहा कि विश्नोई समाज चहुंओर प्रगति के पथ पर हमेशा चलता रहा है और आगे भी चलता रहेगा।

समारोह में फ्रांस से आई मेडम मार्या ने कहा कि पर्यावरण के क्षेत्र में विश्नोई समाज का पेड़ों के लिए दिया गया बलिदान विश्व में अनूठी मिसाल है। हमें जांभोजी एवं अमृता के बताए मार्ग पर चलना होगा यही सच्चा धर्म होगा।समारोह में अतिरिक्त जिला कोषाधिकारी मंगलाराम विश्नोई, भाखराराम, मास्टर मूलाराम लोल, मांगीलाल, सरपंच सुखराम, पर्यावरणविद खमूराम विश्नोई ने भी विचार व्यक्त किए। समारोह में बंशीलाल ढाका की लिखित पुस्तक 'जांभाणी साहित्य सौरभ' का विमोचन किया गया।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान : जिला स्तर पर 16, केंद्रानुसार 45, नवचयनित प्रधानाध्यापक में चयन 12, आईआईटी में 5, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में अव्वल 6, राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतिभा में अव्वल रहने वाले 2 जनों का सम्मान किया गया।इसी तरह विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्तें कर नवाजा गया।

इनका भी हुआ बहुमान : मंच पर भामाशाह भजनलाल जांगू, भाखराराम खिलेरी, किशनलाल धतरवाल,

धोरीमन्ना. समारोह में सम्मानित विद्यार्थियों के साथ अतिथि।

श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था (रजि.) राजस्थान के बाड़मेर जिलाध्यक्ष जयकिशन भादू, डॉ.विजय चंदन गोदारा, मांगीलाल जांगू का भी बहुमान किया गया। समारोह में श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था (रजि.) राजस्थान के बाड़मेर जिला संरक्षक दयाराम हंसमुख भी मौजूद थे।

अरमान कड़वासरा
गुड़ामालाणी, मो. 9929825042

समाज ने खोया जाम्भाणी संगीत रत्न

नागौर। जाम्भाणी संगीत के महारत हासिल कलाकार एवं साखी गायन के विशेष स्तम्भ श्रीराम गायणा निवासी पोलास बिश्नोईयान तहसील डेगाना जिला नागौर (राज.) का देहान्त 19 जनवरी 2013 को हो गया। जिससे समाज को संगीत के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

उल्लेखनीय है कि 74 वर्षीय श्रीरामजी ने किशोरावस्था में ही जाम्भोजी की साखियाँ गाने का जबरदस्त अभ्यास कर लिया था। जाम्भाणी भजन और कथागायन में आप विशेष योग्यता रखते थे। आपने लगभग साठ वर्षों तक बिश्नोई समाज में जाम्भोजी के जागरण लगाकर अनुकरणीय सेवाएं की। इसके साथ ही जाम्भाणी संगीत को मजबूती प्रदान की। आपने अपने तीनों पुत्रों को साखी गायन विद्या सिखाकर भावी पीढ़ी में भी जाम्भाणी संगीत के संस्कार भरे हैं। विशेष बात यह है कि आपके ससुर स्व. चोखारामजी गायणा निवासी पीलवा जिला जोधपुर समाज के सुप्रसिद्ध गायक और साखी गायन विद्या में महारत हासिल थे। आप दोनों की जोड़ी ने असंख्य जागरणों में जाम्भाणी संगीत को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत कर जागरण परम्परा को निरन्तर रखा। आपकी सेवाएं हमेशा प्रेरणा देती रहेगी और आपका नाम जाम्भाणी संगीत के स्तम्भों में इतिहास के पन्नों पर हमेशा रहेगा। श्रीरामजी के निधन से सम्पूर्ण बिश्नोई समाज को क्षति हुई है। दिंवगत आत्मा को शांति प्रदान करने एवं उनके परिवार को यह दु:ख सहन करने की क्षमता प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

श्री जम्भेश्वर पर्यावरण एवं जीवरक्षा प्रदेश संस्था राजस्थान (रजि.) के प्रदेश संरक्षक एवं मुकाम पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी रामानन्दजी महाराज गणपत बिश्नोई गोवा के निवास पर गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगम्बर कामत के साथ

जरूरत है अमृता को हर दिल में बसने की

बिश्नोई समाज द्वारा पर्यावरण संरक्षण आज का षचिपकोष आंदोलन आज भी हिमालय घाटी में वृक्षों को बचाने के लिए चल रहे षचिपको आंदोलनष की शुरुआत संभवतः उसी घटना से प्रेरित है। ठेकेदारों से वृक्षों को बचाने को लिए वे

आज जरुरत है अमृतादेवी को भी भगतसिंह की तरह हर भारतीय के दिल में बसने की ...

लोग वृक्षों से चिपक जाते हैं। इस आंदोलन में ष्खेजड़लीष की हीभाँति महिलाओं भी क्रियाशील है। गुरु जांभोजी महाराज ने पाँच सौ वर्ष पूर्व ही हरे वृक्षों के महत्व को समझते हुए उनकी रक्षा का भार अपने अनुयायियों को वहन करने हेतु उत्प्रेरित कर दिया था। अतएव खेजड़ली को चिपको आंदोलन का उद्‌भव माना जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी-- जहाँ हरे-भरे पेड़ों की रक्षा हेतु मनुष्य स्वयं कट गए। आज 250 वर्ष बाद भी बिश्नोई समाज में वृक्ष-संरक्षणका भाव एक समृद्ध परंपरा के रूप में जीवित है। बिश्नोई समाज आज भी वृक्षों तथा जीव-जंतुओं की रक्षा उसी तरह से करता है, जैसाकि उन्होंने उस वक्त किया था। यही कारण है कि आज बिश्नोई संप्रदाय के गाँव हरे-भरे हैं और वहाँ स्वच्छंदता से विचरण करने वाले जानवरों को देखकर उनके गाँवों की सहज ही पहचान हो जाती है। बिश्नोई गाँवों के आसपास काले हरिण बड़ी संख्या में ॐष्टिगोचर होते हैं।आज जहाँ एक तरफ वन्य-जीवों की नस्लें खत्म होने का खतरा बना हुआ है, वहीं राजस्थान में बिश्नोईयों के गाँवों में जीव मात्र का शिकार पूर्णतः वर्जित है। आज विभिन्न पशु-पक्षियों तथा गोडावण जैसे दुर्लभ पक्षी के राजस्थान में उपलब्ध होने का मूल कारण गुरुदेव की शिक्षा का उनके अनुयायियों पर पड़ा अमिट प्रभाव ही है।इस भावना के मुकाबले यदि सरकारी संरक्षण पचास प्रतिशत भी प्रभावी हो जाए तो पर्यावरण व शुद्ध वातावरण को बनाए रखने की आधी समस्या तो निश्चित रूप से हल हो सकती है।खेजड़ली गाँव में भादों मास की दशमी को बिश्नोई लोगों का मेला लगता है। कुछ वर्ष पहले शहीदों की याद में वहाँ पर 363 वृक्ष लगाए थे।ये वे शहीद थे,जिन्होंने वृक्षों कीरक्षा हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया। उनके प्रति आस्था प्रकट करने का इससे बढ़कर स्मारक और क्या हो सकता है ? श्री जांभोजी सदा मानव जाति के प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। जीवों तथा वृक्षों की रक्षा के बढ़ते महत्व के साथ जांभोजी केवल बिश्नोई समाज के ही नहीं, बल्कि समस्त मानव समाज के लिए प्रेरणादायक बने रहेंगे। जम्भेश्वर जी महाराज की शिक्षाएं वर्तमान काल में भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। उनकी समाधि बीकानेर जिले के नोखामंडी तहसील से 15 किलोमीटर दूर, पूर्व दिशा की और गाँव तालवा-मुकाम में बनी हुई है जो आज भी समूचे विश्व केलिए पर्यावरण-संरक्षण के परिप्रेक्ष्य में प्रेरणास्त्रोत है और सदा रहेगी।

गरीबी का कारण

खुद में ना अकल औरों की मानते नहीं है।
कमाते हैं अच्छा खाना जानते नहीं है।।
पच्चीस में पन्द्रह की, शराब पी रहे हैं।
घर वाले उनके भारी तंगी से जी रहे हैं।।
सिगरेट, चाय, पान खाना छोड़ते नहीं है।
सिनेमा देखने से मुंह मोड़ते नहीं है।।
जर्दा, सुपारी, गांजा कई भांग पी रहे हैं।
कई तो अफीम के नशे में जी रहे हैं।।
बीबी बच्चों को पेट भरके खाना नहीं है।
फटे है तन पे कपड़ों का ठिकाना नहीं है।।
ये समझदारी जनता में आ नहीं सकती।
तो देश से गरीबी भी जा नहीं सकती।।
ये गरीबी का खुद ही लोग काम कर रहे हैं।
सरकार को व्यर्थ में बदनाम कर रहे हैं।।

शराबी की हालत

ओछी संगत बैठकर पीने लगा शराब।
धर्म गया इज्जत गई हो गई अक्ल खराब।।
जो आए सो बक रहा पड़ा कीचड़ के बीच।
गाली दे मां बाप को, सौ नीचों का नीच।।
चढ़ा नशा दुर्गंध का बात-बात पर तकरार।
सदा शरारत सूझती, उल्ट पुल्ट व्यवहार।।
सुध बुध खोकर एक दिन, कर बैठा उत्पात।
कत्ल किया इंसान का, रंगे खून से हाथ।।
जुर्म किया कैदी बना, हो गई मस्ती दूर।
अब पछताये क्या बने, आदत से मजबूर।।
बर्तन भांडे बिक गए, धरती और मकान।
बीवी बच्चे रो रहे, घर है नरक समान।।
सुली पर चढ़ना पड़ा करके मदिरा पान।
अंत शराबी का यही देखे सब इंसान।।

माँ

माँ ने जैसे ही अपनी कोख को सहलाया
मैंने माँ का पहला स्पर्श पाया।
कितनी गरमाहट थी उनके स्पर्श में
कितना था अपनापन उनके हाथों के स्पंदन में
बैचेन थी उनके हाथों में आने को
देखना चाहती थी अपनी ममतामयी माँ को।
जैसे ही मैं बाहर आने लगी, माँ रोने लगी।
माँ को देख मेरे भी आंसूओं की झड़ी लगी।
बाहर आते ही माँ हो गई एकदम शाँत
डॉक्टरों ने छोड़ दिया बच्चों के वार्ड में
अकेला नितान्त।
उधर माँ तड़प रही थी मुझे देखने को
इधर मैं वरस रही थी गले लगने को
जैसे ही मुझे माँ के वक्षस्थल के पास रखा गया
माँ ने मुझे सहलाया और मैनें असली स्पर्श पाया।
माँ ने मेरा माथा चूमा, मेरी अंगुलियों से खेली
मुझे भी माँ की यह हरकत लगी अलबेली।
माँ ने कहा तू ही है मेरी परछाई।
सबने कहा तुम्हारे घर लक्ष्मी आई।
मैं भी माँ का स्वरूप बार-बार आँखों में बरसाती
फिर बार-बार आँखों को कस के बन्द कर लेती।

कु. पूजा बिश्नोई
कक्षा-12
नागौर

बिश्नोई प्रीमियर लीग-३ आयोजित

अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन मुम्बई द्वारा शहीद माँ अमृतादेवी बिश्नोई की स्मृति में आयोजित बिश्नोई प्रीमियर लीग (बीपीएल-3) क्रिक्रेट प्रतियोगिता का बोरीवली में समापन हुआ। इस चार दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 22 टीमों ने भाग लिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुकाम पीठाधीश्वर गुरु रामानन्दजी व अध्यक्ष हीराभाई देवासी व विशिष्ट अतिथि नारायणजी ढ़ाका, कोजारामजी साहू, बाबुजी भादू, गंगारामजी बांगुड़ा,हीरालालजी ईराम, कालूजी मांजू, सीए मांगीलालजी, नरसीजी जांगू, जगदीशजी बेनिवाल, भारमलजी पंवार, भगवानजी खिलेरी, किशनजी भादू, नेकीजी डूडी, धर्माजी खिलेरी, मेवाड़ महाराणा प्रताप क्रिकेट क्लब अध्यक्ष विक्रमसिंह सोढ़ा, पत्रकार मनीष पालीवाल ने की।

प्रतियोगिता में सत्यपुर क्रिकेट क्लब ने बालाजी लाइनस को तथा एसएसटी स्टार ने रामदेव इलेवन मलाड़ को सेमीफाईनल में पराजित कर फाईनल में प्रवेश किया। फाईनल मुकाबले में सत्यपुर क्रिकेट क्लब ने एसएसटी स्टार को 9 विकेट से पराजित कर बीपीएल-3 का खिताब अपने नाम किया। गणपत जाणी को मैन ऑफ दी सीरिज व सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज विकास पुनिया व सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर अशोक सारण रहे। वही सर्वश्रेष्ठ खेलभावना का पुरस्कार आजाद गारमेंट खार टीम को दिया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में भामाशाह भारमलजी सारण, जालाजी लोमरोड़, किशनजी साहू, सोहनजी गोयत, कालूजी मांजू, बाबूजी सारण जालाणी, रामाकिशनजी धतरवाल, सुनिल गोदारा, रामलाल गोदारा, साजन खीचड़, मनोहर सियाक, बुधजी जाणी, जगदीशजी बोल, ओमप्रकाश भादू, लाधु राड़, भीखजी पूनियां, बाबूजी सारण, सोहनजी सारण, मनोज ढ़ाका ने सहयोग किया। समारोह के अन्त में सीए सत्येन्द्र साहु ने संगठन की तरफ से सभी खिलाड़ियों, दर्शकों व समाज बंधुओं का आभार प्रकट किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में ओमप्रकाश ढ़ाका, किरण ढ़ाका, मांगीलाल लोमरोड़, मानाराम साहु, रूगनाथ खीचड़, हनुमान सारण, धोलाराम साहु, प्रकाश भादू, अनिल भादू, पुखराज गोदारा, किशन पूनियां, मनोहर सारण, पीराराम खावा, सोहन खिलेरी, श्रवण खिलेरी, आसुजी बेनिवाल, बुधजी गोदारा, घमजी पंवार, गणपत मांजू, बुधजी सारण, पाटिल भाई व युवा संगठन के समस्त कार्यकर्ताओं ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में अमूल्य योगदान दिया।प्रतियोगिता स्थल पर गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। मेवाड़ महाराणा प्रताप क्रिकेट प्रतियोगिता में संगठन द्वारा प्रायोजित टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के समापन में गायक सुजीत लुटियाल ने मधुर गीतों की प्रस्तुति दी।

ओमप्रकाश ढ़ाका
मो. 9869639404

डीएफओ ने की बिश्रोई समाज से कंटीली तारें हटाने की आखिरी अपील

अबोहर। ओपन सेंच्युरी ऐरिए में कंटीली तारें हटवाने की मांग को लेकर गत दिनों वन एवं श्रम मंत्री के नाम पर बिश्राई समाज द्वारा एसडीएम को सौंपें गए मांगपत्र के फलस्वरूप आज वन मंत्री के निर्देशानुसार डीएफओ ने बिश्रोई समाज व भाकियू सदस्यों संग विशेष बैठक जंगलात विभाग के कार्यालय में की।

बैठक के दौरान उपस्थित भारतीय किसान यूनियन लक्खोवाल व बिश्रोई समाज के सदस्यों ने डीएफओ को बताया कि ओपन सेंच्यूरी में किसानों द्वारा लगाई गई कोबरा तारें से अनेक बेजुबान पशु अकाल मृत्यु का शिकार हो रहे हैं जबकि घायल होने वाले पशुओं का उपचार करने के लिए कोई पशु चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है।

इसके अलावा उन्होंनें डीएफओ से ओपन सेंच्युरी एरिया में गर्मियों के मौसम में बेजुबान पशुओं के लिए पानी उपलब्ध करवाने व स्टाफ में बढोतरी किए जाने की भी मांग की। जिस पर डीएफओ एम सौदागर ने कहा कि शीघ्र ही उच्चाधिकारियों को साथ लेकर गांवों का दौरा किया जाएगा और कंटीली तारें लगाने वाले किसानों को अंतिम चेतावनी दी जाएगी अगर उन्होंने कंटीली तारों को नहीं हटाया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बिश्रोई समाज पहले की भांति पशुओं के प्रति प्रेम रखे और कंटीली तारों को हटाकर पशुओं की जिंदगी की रक्षा करे। उन्होंने कहा कि जो किसान कंटीली तारें हटा देंगें उनकी फसलों को पशुओं द्वारा होने वाले नुकसान के बारे में विभाग के अधिकारियों को लिखा जाएगा ताकि उनको मुआवजा दिलवाया जा सके। इस अवसर उन्होंने आश्वासन दिया कि मार्च तक ओपन सेंच्युरी में पानी की सुविधा के लिए टैंकर व ट्रैक्टरों की सुविधा उपलब्ध करवा दी जाएगी।

उन्होंनें कहा कि विभाग के पास फंड की कमी होने के कारण कर्मचारियों की कमी पाई जा रही है जिसको शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर रेंज अधिकारी महेन्द्र मीत, कुलवंत सिंह, के अलावा भाकियू के महासचिव अक्षय बिश्रोई, बुधराम, सुभाष गोदारा, विकास कूकणा, रमेश बिश्रोई, विष्णु धारवाल, राम कुमार डेलू, राजिन्द्र पूनियां, सुरेन्द्र गोदारा, आदि उपस्थित थे।

हरि कथा के समापन पर हवन किया

मंडी आदमपुर। गांव आदमपुर में निर्माणाधीन श्रीगुरु जंभेश्वर मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय हरि कथा ज्ञान यज्ञ का शनिवार 2 फरवरी को समापन हुआ। इसमें समाज के लोगों ने आहुति डाली। हरि कथा का वाचन करते हुए मुकाम से आए आचार्य संत रघुवर दयाल महाराज ने कहा कि परमात्मा प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में बसे हुए हैं। सतगुरु की शरण में जाकर परमात्मा का अंतर हृदय में साक्षात दर्शन करना ही भक्ति है। कथा में गाए भजनों पर श्रद्धालुओं ने नृत्य भी किया। इस मौके पर स्वामी जुगती प्रकाश, स्वामी सुंदर दास, प्रधान दलीप सिंह, ठाकर गोदारा, संजय बागड़वां, कृष्ण बेनीवाल, विष्णु थालोड़, नवीन, पालाराम, सतीश, बंसी लाल, रामकुमार, भूप सिंह आदि मौजूद थे।

युवाओं के नाम एक आह्वान

विक्रम सम्वत् 1542 की कार्तिक बदी अष्टमी को श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान ने बिश्नोई पंथ की स्थापना कर तत्कालीन समुदायों के मिश्रित अनुयायियों को 29 नियमों की आचार संहिता बनाकर उसके पालना हेतु संकल्पबद्ध करके जीवन के सम्यक निर्वाह का एक सुगम मार्ग बतलाया। श्री जम्भेश्वर भगवान व्यवहारवादी एवं मानवातादी धर्म के प्रेरणापुंज हैं। हमारे पूर्वजों के द्वारा धर्मनिष्ठ व्यवहार के अतुलनीय एवं अद्वितीय आचरण से आज विश्वपटल पर एक अलग पहचान के साथ हमारा समाज विकास की ओर अग्रसर है। हम उन पूर्वजों की संतान हैं, जिनके पैर की धूली छूने मात्र से जीया जुगति, मुवा मुगति की कहावत चरितार्थ होती है। हम उन वीरों एवं वीरांगनाओं की संतानें है जिन्होनें बिश्नोई धर्म की अजेय शक्ति से अनुप्रमाणित होकर पेड़ों की रक्षार्थ कुल्हाड़ियों से अपने शरीर कटवाये, ऐसे बलिदान की यशोगाथा अद्वितीय है। पेड़ों की रक्षार्थ, आत्मोत्सर्ग का ऐसा सामूहिक स्वैच्छिक अनुष्ठान अनूठा एवं अद्वितीय है। हमें पूर्वजों की ऐसी गौरवमयी विरासत से अनुप्रेरित होकर समाज के हर शख्स को धर्म की मर्यादा एवं रक्षा हेतु संकल्पबद्ध करना चाहिए।

धर्म स्थापना के लगभग 526 वर्षों के इस परिवर्तनीय संक्रमणकाल में समय-समय पर समाज के संत महात्माओं द्वारा धर्म की रक्षा एवं सामाजिक व्यवस्था में सुधार हेतु सार्थक प्रयास किये गये। बिश्नोई पंथ की स्थापना सद्गुरु जाम्भोजी की अलौकिक दिव्य शक्ति की बदौलत, भारतीय इतिहास की सबसे प्रतिकूल परिस्थितियों में की गई थी। गुलामी के उस दौर में समय की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूलित होने के लिए हमारे पूर्वजों ने कुछ विशेष परम्पराएं शुरू की थी। परंतु कालान्तर में परम्परा विशेष ने कुरीतियों का स्वरूप धारण कर लिया। कुरीतियों की आड़ में धर्म के प्रति नास्तिक होती हमारी युवा पीढ़ी आज अनेकों बुराईयां धारण कर बिश्नोईत्व को खोने की कगार पर खड़ी है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मृत्युभोज, बालविवाह,नशा,अन्तरजातीय विवाह,दहेज,टीकाप्रथा जैसी कई कुरीतियां एवं बुराईयां समाज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण बाधा है। इस सम्बन्ध में विशेषकर हमारे युवा बुद्धिजीवी वर्ग का ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा कि आप पूर्वाग्रह को छोड़कर तटस्थ धार्मिक भावना से उक्त कुरीतियों एवं बुराईयों पर धार्मिक, सामाजिक, वैधानिक, व्यावहारिक,आर्थिक एवं नैतिक दृष्टि से गहराई से विचार विमर्श कर इस निर्णय पर पंहुचने का प्रयास करें कि ये परम्परा विशेष, वर्तमान दौर में सामाजिक कुरीति एवं बुराई है अथवा नहीं? इनका कोई धार्मिक,कानूनी एवं तथ्यात्मक आधार है अथवा नहीं? मंथन करने के पश्चात यदि आप उक्त कुरीतियों एवं बुराईयों से सहमत हैं तो इनके उन्मूलन हेतु अपने आत्मबल को जगाएं।

आप हमारे सहयोगी बनिये

- ★ लेख,कविता,मुक्तक तथा सामाजिक व धार्मिक समाचार भेजकर
- ★ विज्ञापन देकर
- ★ सदस्य बनाकर
- ★ स्वयं सदस्य बनकर
- ★ प्रतिक्रिया व सुझाव भेजकर

रचनाकारों से

कोई भी लेखक अपनी मौलिक रचना बिश्नोई सन्देश के नाम भिजवाते समय अपना पूरा पता लिखा हुआ खाली लिफाफा साथ में भेजें तथा प्रमाण पत्र लिखें कि यह रचना मेरी मौलिक है जो अन्यत्र कहीं प्रकाशित नहीं हुई है। आप सामाजिक, धर्मिक, पर्यावरण पर, नशा विरोधी, ज्ञानवर्द्धक तथा सर्वजन हिताय का कोई भी लेख होता है तो उसको इस पत्रिका में स्थान मिलता है।

आप अपनी रचना प्रत्येक माह की 20 तारीख तक भिजवा दें। प्रत्येक माह की अन्तिम तारीख तक उससे अगले महीने की पत्रिका तैयार हो जाया करती है जो प्रत्येक माह की पांच तारीख को डाकघर में प्रेषित कर दी जाती है। अतः 20 तारीख तक लेख कार्यालय में पंहुच जाने चाहिए।

–सम्पादक

जीवनोपयोगी बातें

- जीवन को अधिक खर्चीला नहीं बनाना चाहिये। अधिक खर्चीला जीवन मनुष्य को रूपयों का दास बना देता है, जिसके कारण अनेक पाप करने पड़ते हैं।
- मनुष्य जीवन के समय को अमूल्य और क्षणिक समझकर उतम से उतम काम में व्यतीत करना चाहिये। एक क्षण भी व्यर्थ नहीं बिताना चाहिये।
- मन से भगवान् का चिन्तन, वाणी से भगवान के नाम का जप, सबको नारायण समझकर शरी से जगज्जनार्दन की निःस्वार्थ सेवा ये ही उतम से उतम कर्म है।
- द्विजाति मात्र को उचित है कि नित्य सूर्योदय और सूर्यास्त से पूर्व ही संध्योपासन और विष्णु जप करें, सूर्योदय एवं सूर्यास्त के समय सोना निषिद्ध है।
- स्वावलम्बी बनना चाहिये। स्वावलम्बन अमृत है।
- बोलने के समय बहुत विचारकर सत्य, प्रिय, मित और हित के वचन बोलने चाहिये।

उपयोगी बातें

- 'पत्थर आखिरी चोट से टूटता है पर पहले की गई चोटें बेकार नहीं जाती।'
- परस्पर प्रेम करने लगोगे तो आदेश देने की कोई आवश्यकता नहीं रह जायेगी।'
- हीन विषयों से मुक्ति पाने का एक ही रास्ता है कि इतना काम करो कि थक कर चूर हो जाओ।
- तुम्हारा हौंसला ही तुम्हें जीवन की तथा जीतने की ताकत देगा।

उन्नतीस धर्म नियम

तीस दिन सूतक,पंच ऋतुवन्ती न्यारो।
सेरा करो स्नान, शील संतोष शुचि प्यारो।।
द्विकाल संध्या करो, सांझ आरती गुण गावो।
होम हित चित प्रीत सूं होय, बास बैकुण्ठा पावो।।
पाणी बांणी ईंधणी दूध, इतना लीजे छाण।
क्षमा दया हिरदे धरो, गुरु बतायो जाण।।
चोरी निन्दा झूठ बरजियो, वाद न करणो कोय।
अमावस्या व्रत राखणो, भजन विष्णु बतायो जोय।।
जीव दया नित पालणी, रूँख लीलो नहीं घावे।
अजर जरे, जीवत मरे, वे बास स्वर्ग ही पावे।।
करे रसोई हाथ सूं, आण सूं पलो न लावे।
अमर रखावे थाट, बैल बधिया न करावे।।
अमल तम्बाकू भांग, मद्य मांस सूं दूर ही भागे।
लील न लावे अंग, देखत दूर ही त्यागे।।

उन्नतीस धर्म की आंकड़ी हिरदे धरियो जोय।
जाम्भोजी कृपा करी, नाम बिश्नोई होय।।

सेवामें,
श्रीमान् _____

_____

_____

पिनकोड ○○○○○○

प्रेषक

कार्यालय बिश्नोई सन्देश
द्वारा: जम्भेश्वर मल्टीकलर ऑफसेट प्रेस एच-2/29 न्यू रीको औद्योगिक क्षेत्र,नागौर (राज.)
सम्पर्क: 01582-241136 (कार्यालय) 9214118849 (रामरतन) 9252163775 (रामप्रसाद)

स्वामी,प्रकाशक तथा मुद्रक रामरतन बिश्नोई द्वारा जम्भेश्वर ऑफसेट प्रेस एच-2/29 न्यू रीको औद्योगिक क्षेत्र बीकानेर रोड़,नागौर से मुद्रित तथा नागौर से ही प्रकाशित व प्रसारित